University in News on 28 November 2023

NBT PAGE 6

नेपाल के सांसद पहुंचे LU, हुए भावुक

■ एनबीटी, लखनऊः एलयू के छात्र रह चुके नेपाल के सांसद रमेश लेखक ने सोमवार को आचार्य नरेंद्र देव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास का भ्रमण किया। इस दौरान भावुक होते हुए बताया कि 1983 से 1988 तक एलएलबी के दौरान छात्रावास में कक्ष संख्या 59 में रहे थे। इस दौरान इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. आरपी सिंह और चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह भी मौजूद रहे।

LU: दीक्षांत सप्ताह का आगाज आज

■ एनबीटी, लखनऊः 6 दिसंबर को दीक्षांत समारोह से पहले एलयू में दीक्षांत सप्ताह का आयोजन होगा। इसका आगाज मंगलवार से सांस्कृतिक, शैक्षणिक और खेलकूद व क्विज प्रतियोगिताओं से होगा। विवि प्रवक्ता डॉ दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि विशेष व्याख्यान, क्विज प्रतियोगिता, प्रदर्शनी के साथ डिबेट और पोस्टर प्रतियोगिता, स्पोर्ट्स प्रतियोगिता, वॉलीबाल, नाटक समेत तमाम लेक्चर भी आयोजित होंगे। वहीं, दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले 192 मेडलों की जारी सूची पर आपत्तियों का मंगलवार को आखिरी दिन है।

लविवि करेगा 6 पूर्व छात्रों का सम्मान

■ एनबीटी, लखनऊः लविवि जल्द ही अपने 6 पूर्व छात्रों को सम्मानित करेगा। इसमें उत्तराखंड के सीएम पुष्कर सिंह धामी, डॉ. कलाम कंप्यूट्र ट्रेनिंग सेंटर शुरू करने वाले विज्ञान रत्न डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, वॉशिंगटन यूनिवर्सिटी, सेंट लुईस के डीन प्रो. शांति के. खिण्डूका, रिसर्चर प्रो. बृजमोहन, चिपको आंदोलन में हिस्सा लेने वाले प्रो. संजय भट्ट और इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट इन इंडिया की केंट्री हेड मीरा मिश्रा शामिल हैं। कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने बताया कि विवि का सामाज कार्य विभाग पूरे देश में इकलौता है जो स्नातक से डीलिट तक की डिग्री देता है।

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

उत्तराखंड के सीएम समेत छह पूर्व छात्रों का होगा सम्मान

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। अपनी स्थापना की स्वर्ण जयंती मना रहा लखनऊ विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग विशिष्ट उपलब्धियों वाले अपने छह पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान करेगा। इनमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी शामिल हैं।

लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 1948 में प्रोफेसर राधाकमल मुखर्जी के नेतृत्व में समाज कार्य की शिक्षा प्रारंभ हुई थी। वर्ष 1972 में समाज कार्य विभाग ने एक स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्य करना शुरू किया। पिछले ही वर्ष विभाग के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वर्ण जयंती वर्ष की शुरुआत हुई थी। इसके समापन समारोह में विज्ञान रत्न डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, प्रो. शांति के. खिण्डूका, प्रो. बृजमोहन, प्रो. संजय भट्ट, पुष्कर सिंह धामी और मीरा मिश्रा को सम्मानित किया जाएगा।

स्वर्ण जयंती वर्ष मना रहा है लखनऊ विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग

इन पूर्व विद्यार्थियों का होगा सम्मान

■ पुष्कर सिंह धामी जो वर्तमान में भाजपा के ऊर्जावान युवा नेता व 2021 से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हैं, ने 1997 में समाज कार्य विभाग से मानव संसाधन प्रबंधन में परास्नातक तक की डिग्री ली।

■ प्रोफेसर शांति के. खिण्डूका समाज कार्य के दूसरे बैच 1955 के विद्यार्थी रहे हैं। प्रो. खिण्डूका समाज कार्य विषय के जाने-माने विद्वान हैं। इनकी समाज कार्य विषय पर कई पुस्तकें हैं और रिसर्च पेपर भी प्रकाशित हो चुके हैं। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, सेंट लुइस में वे रिटायर्ड प्रोफेसर एवं डीन हैं।

■ प्रोफेसर संजय भट्ट ने 1977 में समाज कार्य विभाग से एमएसडब्ल्यू और पीएचडी भी यहीं से पूरी की। वे दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क के पूर्व विभागाध्यक्ष व प्रोफेसर रहे हैं। इन्होंने चिपको आंदोलन, बाल अधिकार व मानव अधिकार के अनेक आंदोलनों में सहभागिता की है।

■ डॉ. लक्ष्मण प्रसाद समाज कार्य विषय के प्रथम बैच 1954 के छात्र रहे हैं। इन्होंने समाज कार्य विषय में योगदान देने के अतिरिक्त अनेक वैज्ञानिक आविष्कार भी किए हैं, जिसके लिए इन्हें विज्ञान रत्न सहित सात राष्ट्रीय तीन प्रदेश स्तरीय अवॉर्ड प्राप्त किए हैं।

■ मीरा मिश्रा ने 1992 में समाज कार्य विभाग से एमएसडब्ल्यू किया और 2011 से वर्तमान तक इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट इन इंडिया में कंट्री हेड के रूप में कार्यरत हैं।

■ प्रोफेसर बृज मोहन ने समाज कार्य विभाग से 1964 में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। स्कूल ऑफ सोशल वर्क लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी में रिटायर्ड प्रोफेसर व डीन एमिरेट्स हैं।

लविवि में दीक्षांत सप्ताह आज से

व्याख्यान, प्रतियोगिताओं संग होगा प्रदर्शनी का आयोजन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत सप्ताह की शुरुआत मंगलवार से हो जाएगी। समारोह में पहले दिन व्याख्यान, प्रदर्शनी और प्रतियोगिताओं का दौर चलेगा। विवि का दीक्षांत समारोह छह दिसंबर को होना है।

दीक्षांत सप्ताह में पहले दिन भूगर्भ विज्ञान विभाग में व्याख्यान होगा। इसके साथ ही प्रश्नोत्तरी होगी। विभाग की ओर से प्रदर्शनी का आयोजन भी किया जाएगा। इस दौरान गोमती नदी पर किए गए कामों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। पांच दिसंबर तक अलग-अलग विभागों में कार्यक्रमों का दौर चलता रहेगा।

प्रस्तावित मेडल सूची पर आपत्ति का अंतिम मौका आज : लविवि ने दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले 192 पदकों की प्रस्तावित सूची जारी कर दी है। इन पदकों पर आपत्ति जताने के लिए मंगलवार को अंतिम मौका होगा। इसके बाद मेडल सूची फाइनल कर दी जाएगी। (माई सिटी रिपोर्टर)

अभी तय नहीं मुख्य अतिथि का नाम

लखनऊ विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह होने में सिर्फ एक सप्ताह का समय बचा है लेकिन मुख्य अतिथि का नाम तय नहीं है। विवि ने समारोह के लिए इसरो प्रमुख को न्योता भेजा है। अभी तक वहां से सहमति नहीं आई है। ऐसे में मुख्य अतिथि का नाम तय नहीं हो सका है।

छात्रावास पहुंच भावुक हो गए नेपाल के सांसद रमेश लेखक

आचार्य नरेंद्र देव छात्रावास पहुंचे रमेश लेखक का किया गया स्वागत। संवाद

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लविवि के पूर्व छात्र रहे नेपाल के सांसद रमेश लेखक ने आचार्य नरेंद्र देव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास का भ्रमण करके पुरानी यादें ताजा कीं। नेपाली सांसद इस छात्रावास की कक्ष संख्या-59 में करीब पांच साल रहे हैं।

रमेश लेखक छात्रावास पहुंचकर भावुक हो गए। विश्वविद्यालय से एलएलबी करते हुए उन्होंने 1983 से 1988 तक छात्रावास में रहे। इस दौरान उन्होंने अपने कमरे में जाकर कुछ क्षण बिताए और अपने छात्र जीवन से जुड़े संस्मरण भी सुनाए। छात्रावास की वर्तमान व्यवस्था, विशेष रूप से छात्र सुविधाएं वाई फाई कैंपस, शुद्ध पेय जल, नवीनीकृत शौचालय एवं विश्व स्तरीय रख रखाव देखकर उन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय द्वारा किए गए उत्कृष्ट सुधारों की अत्यंत सराहना की। इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो आर पी सिंह ने पूरे छात्रावास का भ्रमण कराया। चीफ प्रोवोस्ट प्रो अनूप कुमार सिंह ने सांसद का छात्रावास में स्वागत किया तथा वर्तमान में रह रहे विदेशी छात्रों के साथ उनका एक अनौपचारिक संवाद भी कराया, जिसमें उन्होंने अंतः वासियों की सफलता के मंत्र दिए।

लविवि के पूर्व छात्र रहे रमेश लेखक ने किया आचार्य नरेंद्र देव अंतरराष्ट्रीय छात्रावास का भ्रमण

विदाए और अपने छात्र जीवन से जुड़े संस्मरण भी सुनाए।

इंटरनेशनल स्टूडेंट एडवाइजर प्रो. आरपी सिंह ने उनको पूरे छात्रावास का भ्रमण कराया। चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह ने सांसद का छात्रावास में स्वागत किया तथा वर्तमान में रह रहे विदेशी छात्रों के साथ उनका एक अनौपचारिक संवाद भी कराया।

HINDUSTAN PAGE 6

संग्रहालयों, लाइब्रेरी का भ्रमण आज से कर सकेंगे

एलयू

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय में दीक्षांत सप्ताह के मद्देनजर शिक्षा, खेल, संस्कृति व साहित्य से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजित होगा। इसके लिए एक दर्जन से अधिक विभागों ने अपनी रूपरेखा तय कर ली है।

एलयू में 66वें दीक्षांत समारोह को ध्यान में रखकर मंगलवार से दीक्षांत सप्ताह आयोजित किया जाएगा। इसके लिए सभी विभागों के संग्रहालय तैयार हैं। टैगोर लाइब्रेरी को दुरुस्त कर दिया गया है। दीक्षांत के लिए भूगर्भ, रसायन, भौतिक, सांख्यिकी, जैव-रसायन, समेत कई विभागों में कार्यक्रम होंगे।

आज के कार्यक्रम

जानकारी के अनुसार बता दें कि भू-गर्भ विभाग में पॉप्युलर लेक्चर्स, क्विज प्रतियोगिता, जियोलॉजिकल प्रदर्शनी, भौतिक में डिबेट, पोस्टर प्रतियोगिता, वाणिज्य में स्पोर्ट्स इवेंट, शारीरिक शिक्षा द्वारा वॉलीबाल, अंग्रेजी में नाटक चक्रव्यूह जैसे कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

उत्तराखंड के सीएम समेत छह पूर्व छात्र होंगे सम्मानित

लखनऊ। एलयू में समाज कार्य विभाग से स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के समापन पर छह पूर्व छात्रों का सम्मान किया जाएगा। इसमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी समेत कई उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों का नाम है। एलयू में बीते वर्ष समाज कार्य विभाग के 50 वर्ष पूरे होने पर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। जिसके तहत साल भर कई तरह के कार्यक्रमों की श्रृंखला चलती रही। जल्द ही विभाग अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन करेगा। प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार है। जल्द ही तारीख घोषित की जाएगी। इसके बाद आयोजनों का सिलसिला शुरू हो जाएगा।

ये होंगे सम्मनित

पुष्कर सिंह धामी, सीएम, उत्तराखंड। विज्ञान रत्न डॉ. लक्ष्मण प्रसाद। प्रो. शांति खिण्डूक, समाज कार्य के विद्वान। प्रो. बृज मोहन, स्कूल ऑफ सोशल वर्क लुसियाना स्टेट यूनि. से रिटायर्ड। प्रो. संजय भट्ट, समाज कार्य के विद्वान। मीरा मिश्रा, इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट इन इंडिया में कंट्री हेड।

i-NEXT PAGE 4

आज से एलयू में शुरू होगा दीक्षा सप्ताह

एलयू दीक्षा सप्ताह में कई तरह के कार्यक्रमों का होगा आयोजन

LUCKNOW (27 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी का 66वां दीक्षांत समारोह 6 दिसंबर को होना है. इससे पहले एलयू 5 दिसंबर तक दीक्षा सप्ताह का आयोजन करेगा, जो 28 नवंबर से शुरू होगा. इस दीक्षा सप्ताह के दौरान एलयू में अलग-अलग कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. इस दौरान स्पेशल लेक्चर, प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक, खेलकूद प्रतियोगिताएं, पुस्तक मेला व सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे. एलयू इस पूरे सप्ताह लाइब्रेरी को 'ओपन फॉर ऑल' करने की योजना बना रहा है. दीक्षा सप्ताह की शुरुआत एलयू के न्यू कैम्पस में सुरभि कार्यक्रम से होगी. इसके अलावा सांस्कृतिकी अन्य कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे. एलयू के दीक्षा सप्ताह में चार और पांच दिसंबर को पुस्तक मेले का भी आयोजन होना है. यह पुस्तक मेला टैगोर लाइब्रेरी की ओर से लगाया जाएगा. इस मेले में स्टूडेंट्स के लिए कोर्स के अलावा फ्रिंजेस बुक की सभी किताबों के स्टॉल लगाए जाएंगे.

42 विभाग कर रहे कार्यक्रमों का आयोजन

28 नवंबर से 5 दिसंबर तक एलयू के 42 विभाग प्री कॉन्वोकेशन इवेंट्स आयोजित करेंगे. इनमें जियोलॉजी विभाग में लेक्चर्स, क्विज प्रतियोगिताए, जियोलॉजिकल एग्जीबिशन, जियोलॉजिकल वर्क जिसमें गोमती नदी को लेकर भी कार्यक्रम करेगा. इसके अलावा केमिस्ट्री विभाग 30 नवंबर को एक स्पेशल लेक्चर आयोजित करेगा. इसके अलावा 1 व 2 दिसंबर को केमोवेशन नामक प्रोग्राम आयोजित करेगा. वहीं, सांख्यिकी विभाग गेम्स का आयोजन करेगा, बायोकेमिस्ट्री विभाग फोटोग्राफी कंपटीशन व साइंस क्विज कॉम्पिटीशन, फिजिक्स विभाग में डिबेट व पोस्टर प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक, पब्लिक लेक्चर का आयोजन करेंगे. जूलॉजी विभाग भी क्विज कॉम्पिटीशन का आयोजन करेगा.

एंथ्रोपोलॉजी में होगा संग्रहालय का दौरा

लखनऊ यूनिवर्सिटी का एंथ्रोपोलॉजी विभाग ट्राइब्ल्स पर डॉक्युमेंट्रीज दिखाने के साथ-साथ म्यूजियम विजिट भी कराएगा. डिपार्टमेंट ऑफ इंग्लिश एंड मॉडर्न इंडियन लैंग्वेजेस 28 व 29 नवंबर को चक्रव्यूह नाटक का आयोजन करेगा. पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन विभाग कल्चरल प्रोग्राम व कविता पाठ कराएगा. हैप्पी थिंकिंग लैब एंड काउंसलिंग व गाइडेंस सेल लाइफ इस ब्यूटीफुल नामक कल्चरल एक्टिविटीज कराएगा.

i-NEXT PAGE 4

एलयू का सोशल वर्क डिपार्टमेंट अपने 6 पूर्व छात्रों को करेगा सम्मानित

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (27 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी के सोशल वर्क डिपार्टमेंट के 50 साल पूरे होने पर चल रहे स्वर्ण जयंती समारोह के अंतर्गत विभाग अपने प्रख्यात पूर्व छात्रों को सम्मानित करने जा रहा है. इनमें छह नाम शामिल हैं. सम्मानित होने वाले पूर्व छात्रों में विज्ञान रत्न डॉ. लक्ष्मण प्रसाद, प्रो. शांति के. खिण्डूका, प्रो. बृजमोहन, प्रो. संजय भट्ट, पुष्कर सिंह धामी व मीरा मिश्रा शामिल हैं. सोशल वर्क डिपार्टमेंट जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का भी आयोजन करने जा रहा है. जिसमें विभाग की शिक्षण समिति द्वारा विभाग के विशिष्ट ख्याति प्राप्त 6 पूर्व छात्रों को सम्मानित किए जाने का निर्णय किया गया है। जिसमें उत्तराखण्ड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विज्ञान रत्न से सम्मानित डा. लक्ष्मण प्रसाद, प्रोफेसर शांति के. खिण्डूका, नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया के एग्जीक्यूटिव एडवाइजर प्रोफेसर संजय भट्ट, प्रोफेसर बृजमोहन एवं मीरा मिश्रा शामिल हैं। इसके लिए जल्द ही

चल रहा है स्वर्ण जयंती समारोह

पिछले ही वर्ष सोशल वर्क डिपार्टमेंट 50 वर्ष पूरे होने के मौके पर स्वर्ण जयंती कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी. इसके तहत कई कार्यक्रम आयोजित हो रहे हैं. पूर्व छात्रों का सम्मान समारोह भी उसी कार्यक्रम की एक कड़ी है.

इनको किया जा रहा सम्मानित...

- विज्ञान रत्न डॉ. लक्ष्मण प्रसाद सोशल वर्क डिपार्टमेंट के फर्स्ट बैच 1954 के छात्र रहे हैं. इन्होने अनेक वैज्ञानिक आविष्कार भी किए हैं, जिसके लिए इन्हें विज्ञान रत्न सहित सात राष्ट्रीय तीन प्रदेश स्तरीय अवार्ड दिए जा चुके हैं. इन्होने गरीब लड़कियों के लिए डॉक्टर कलाम कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर प्रयागराज दिल्ली एवं अलीगढ़ में स्थापित किए हैं.
- प्रोफेसर शांति के खिण्डूका एलयू के सोशल वर्क डिपार्टमेंट दूसरे बैच 1955 के छात्र रहे हैं. प्रोफेसर खिण्डूका जाने-माने नाम हैं. इनकी समाज कार्य विषय पर कई पुस्तकें हैं एवं रिसर्च पेपर भी प्रकाशित हो चुके हैं. वाशिंगटन यूनिवर्सिटी, सेंट लुइस में ये रिटायर्ड प्रोफेसर एवं डीन हैं. 1955 से 1964 तक इन्होने एलयू में बतौर असिस्टेंट प्रोफेसर अपनी सेवाएं दे चुके हैं.
- प्रोफेसर बृज मोहन ने विभाग से 1964 में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की. स्कूल आफ सोशल वर्क लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी में रिटायर्ड प्रोफेसर व डीन एमिरेट्स हैं. डॉ. बृजमोहन सोशल वर्क क्रॉनिकल सोशल डेवलपमेंट ड्रशू सहित दर्जनों जनरल के एडिटोरियल बोर्ड के मेंबर है. शिक्षण व प्रशासन के तमाम अनुभवों के साथ ही समाज कार्य विषय की अनेक किताबें व रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके है.
- प्रोफेसर संजय भट्ट ने 1977 में एमएसडब्ल्यू किया व पीएचडी भी इसी विभाग से पूरी की. दिल्ली स्कूल ऑफ सोशल वर्क के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर रहे हैं. इसके साथ ही नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया जो कि समाज कार्य विषय की एक प्रतिष्ठित वर्ड प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया की केंट्री हेड के रूप में काम किया. 2001 से 2006 के बीच में उन्होंने यूएनडीपी रीजनल ऑफिस का एशिया पेसिफिक में सीनियर पॉलिसी स्पेशलिस्ट के रूप में भी सेवा दी है.
- पुष्कर सिंह धामी वर्तमान में भाजपा के ऊर्जावान युवा नेता व 2021 से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हैं, ने 1997 में समाज कार्य विभाग से एमएसडब्ल्यू किया और 2011 से वर्तमान तक इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट इन इंडिया में कंट्री हेड के रूप में काम किया. 2001 से 2006 के बीच में उन्होंने यूएनडीपी रीजनल ऑफिस का एशिया पेसिफिक में सीनियर पॉलिसी स्पेशलिस्ट के रूप में भी सेवा दी है.
- पुष्कर सिंह धामी वर्तमान में भाजपा के ऊर्जावान युवा नेता व 2021 से उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हैं, ने 1997 में समाज कार्य विभाग से मानव संसाधन प्रबंधन में परास्नातक तक की डिग्री ली। छात्र राजनीति इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉक्टर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि डेट अभी फाइनल नहीं हुई है जल्दी ही डेट की घोषणा की जाएगी।

PIONEER PAGE 7

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने पूर्व छात्रों को सम्मानित करेगा समाज कार्य विभाग

● विज्ञान रत्न डॉ लक्ष्मण प्रसाद, प्रो शांति के खिण्डूका, प्रो बृजमोहन, प्रो संजय भट्ट, पुष्कर सिंह धामी एवं मीरा मिश्रा होंगी सम्मानित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग भारत के समाज कार्य विषय के प्रतिष्ठित विभागों में से एक है। लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 1948 में प्रोफेसर राधा कमल मुकर्जी के नेतृत्व में समाज कार्य की शिक्षा प्रारंभ हुई। वर्ष 1972 में समाज कार्य विभाग ने एक स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्य करना प्रारंभ किया। यह विभाग पूरे भारतवर्ष में एक मात्र ऐसा विभाग है, जिसे सर्वप्रथम स्नातक से लेकर डीलिट् स्तर तक की डिग्री प्रदान करने का हेय प्राप्त है। ऐसे में विभाग की स्थापना के स्वर्ण जयंती समापन समारोह के मौके पर समाज कार्य विभाग एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें विभाग के विशिष्ट ख्याति प्राप्त 6 पूर्व छात्रों को सम्मानित किए जाने का निर्णय किया गया है।

विभाग प्रमुख प्रो. अनूप भारतीय के मुताबिक समाज कार्य विभाग को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, दिल्ली द्वारा पूरे भारतवर्ष में सर्वप्रथम उच्च अध्ययन केंद्र का दर्जा प्रदान किया गया। इस विभाग के छात्र विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य करते हुए विभाग की प्रतिष्ठा को बढ़ा रहे हैं। पिछले ही वर्ष समाज कार्य विभाग के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक की उपस्थिति में समाज कार्य विभाग ने अपने स्वर्ण जयंती कार्यक्रम का शुभारंभ किया था। जिसके अंतर्गत वर्ष भर विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला चलती रही। प्रो. भारतीय ने बताया कि जल्द ही समाज कार्य विभाग एक अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने जा रहा है, जिसमें विभाग की शिक्षण समिति द्वारा विभाग के विशिष्ट ख्याति प्राप्त 6 पूर्व छात्रों को सम्मानित किए जाने का निर्णय किया गया है।

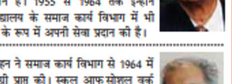

विज्ञान रत्न डॉ लक्ष्मण प्रसाद समाज कार्य विषय के प्रथम बैच 1954 के छात्र रहे हैं। इन्होंने समाज कार्य विषय में योगदान देने के अतिरिक्त अनेक वैज्ञानिक आविष्कार भी किए हैं, जिसके लिए इन्हें विज्ञान रत्न सहित सात राष्ट्रीय तीन प्रदेश स्तरीय अवार्ड प्रदान किए गए। इन्होंने गरीब बालिकाओं के लिए डॉक्टर कलाम कम्प्यूटर ट्रेनिंग सेंटर प्रयागराज दिल्ली एवं अलीगढ़ में स्थापित किए हैं।

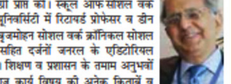

प्रोफेसर शांति के खिण्डूका समाज कार्य के दूसरे बैच 1955 के विद्यार्थी रहे हैं। प्रोफेसर खिण्डूका समाज कार्य विषय के जाने-माने विद्वान हैं। इनकी समाज कार्य विषय पर कई पुस्तकें हैं और रिसर्च पेपर भी प्रकाशित हो चुके हैं। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी सेंट लुइस से यह रिटायर्ड प्रोफेसर एवं डीन हैं। 1955 से 1964 तक इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में भी सहायक आचार्य के रूप में अपनी सेवा प्रदान की है।

प्रोफेसर बृज मोहन ने समाज कार्य विभाग से 1964 में पीएचडी की डिग्री प्राप्त की। स्कूल आफ सोशल वर्क लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी में रिटायर्ड प्रोफेसर व डीन एमिरेट्स हैं। डा बृजमोहन सोशल वर्क क्रॉनिकल सोशल डेवलपमेंट ड्रशू सहित दर्जनों जनरल के एडिटोरियल बोर्ड के मेंबर है। शिक्षण व प्रशासन के तमाम अनुभवों के साथ ही समाज कार्य विषय की अनेक किताबें व रिसर्च पेपर प्रकाशित हो चुके हैं।

प्रोफेसर संजय भट्ट ने 1977 में समाज कार्य विभाग से एमएसडब्ल्यू किया तथा पीएचडी भी इसी विभाग से पूरी की। दिल्ली स्कूल आफ सोशल वर्क के पूर्व विभागाध्यक्ष एवं प्रोफेसर रहे हैं। इसके साथ ही नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया जो कि समाज कार्य विषय की एक प्रतिष्ठित व बड़ी संस्था है, के फाउंडिंग मेंबर तथा पूर्व अध्यक्ष भी रहे हैं। वर्तमान में इसके एग्जीक्यूटिव एडवाइजर भी हैं।

मीरा मिश्रा ने 1992 में समाज कार्य विभाग से एमएसडब्ल्यू किया और 2011 से वर्तमान तक इंटरनेशनल फंड फॉर एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट इन इंडिया में कंट्री हेड के रूप में कार्यरत हैं। 2001 से 2006 के बीच में उन्होंने यूएनडीपी रीजनल ऑफिस का एशिया पेसिफिक में सीनियर पॉलिसी स्पेशलिस्ट के रूप में भी सेवा दी है। विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में कार्य करने का उनका 30 वर्ष का अनुभव रहा है।

पुष्कर सिंह धामी उत्तराखंड के मुख्यमंत्री हैं, ने 1997 में समाज कार्य विभाग से मानव संसाधन प्रबंधन में परास्नातक तक की डिग्री ली। छात्र राजनीति इन्होंने लखनऊ विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉक्टर दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि डेट अभी फाइनल नहीं हुई है जल्दी ही डेट की घोषणा की जाएगी।

JAGRAN CITY PAGE III

लवि : संस्कृति सुरभि आज से, होंगी प्रतियोगिताएं

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वितीय परिसर में वार्षिक खेलों एव सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के महाकुंभ 'संस्कृति सुरभि' की शुरुआत मंगलवार से होगी। इसमें लवि से सम्बद्ध डिग्री कालेजों एवं राजधानी के विश्वविद्यालयों से चार हजार से ज्यादा छात्र-छात्राएं विभिन्न प्रतियोगिताओं में अपनी प्रतिभा दिखाएंगे।

सुबह 9.30 बजे मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक इसका शुभारंभ करेंगे। द्वितीय परिसर के निदेशक प्रो. बीडी सिंह ने बताया कि इस आयोजन में लखनऊ, हरदोई, सीतापुर, रायबरेली, लखीमपुर खीरी व रायबरेली के सभी महाविद्यालय एवं लखनऊ के सभी विश्वविद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग करने के लिए वार्षिक खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने के लिए चार हजार से ज्यादा छात्र-छात्राओं ने कराया पंजीकरण पंजीकरण कराया है। सकेंगे।

फैशन शो, कविता पाठ से सहित होंगी कई प्रतियोगिताएं: खेल एवं सांस्कृतिक समिति के अध्यक्ष डा. उग्रसेन वर्मा ने बताया कि संस्कृति सुरभि-2023 के अंतर्गत स्पोर्ट्स, कल्चरल और लिट्टेरी में 50 से ज्यादा प्रतियोगिताएं होंगी। विद्यार्थी सोलो डांस, बैडमिंटन (सोलो), 8 बाल पुल, फुटबाल, स्टोरी टेलिंग, प्रश्नोत्तरी, डांस ग्रुप, हिंदी-अंग्रेजी कविता पाठ, मेंहदी, रंगोली, टी-शर्ट पेंटिंग, पोस्टर एवं कार्ड मेकिंग, फेस पेंटिंग, कास्ट्यूम सेटिंग, कबड्डी, फुटबाल, बास्केट बाल, आदि में अपना हुनर दिखाएंगे।

धामी समेत छह पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय का समाज कार्य विभाग जल्द ही अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन कर अपने छह पूर्व छात्र-छात्राओं को सम्मानित करेगा। इनमें उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, विज्ञान रत्न से सम्मानित डा. लक्ष्मण प्रसाद, प्रोफेसर शांति के. खिण्डूका, नेशनल एसोसिएशन आफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया के एग्जीक्यूटिव एडवाइजर प्रोफेसर संजय भट्ट, प्रोफेसर बृजमोहन एवं मीरा मिश्रा शामिल हैं। इसके लिए जल्द ही अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

समाज कार्य विभाग के अध्यक्ष प्रो. एके भारतीय ने बताया कि लखनऊ विश्वविद्यालय में वर्ष 1948 में प्रोफेसर राधा कमल मुकर्जी के नेतृत्व में समाज कार्य की शिक्षा प्रारंभ हुई थी। वर्ष 1972 में समाज कार्य विभाग ने एक स्वतंत्र विभाग के रूप में कार्य करना प्रारंभ किया था।

डा. लक्ष्मण प्रसाद

समाज कार्य विषय के प्रथम बैच 1954 के छात्र रहे। इस विषय में कई वैज्ञानिक आविष्कार के लिए विज्ञान रत्न सहित सात राष्ट्रीय, तीन राज्य स्तरीय अवार्ड मिले।

पुष्कर सिंह धामी

2021 से अब तक उत्तराखंड के मुख्यमंत्री है। 1997 में समाज कार्य विभाग से मानव संसाधन प्रबंधन में परास्नातक तक की डिग्री ली। छात्र राजनीति लवि से सम्मान कार्य विभाग में भी सहायक आचार्य के रूप में सेवाएं दी।

प्रोफेसर शांति के खिण्डूका

समाज कार्य के दूसरे बैच 1955 के विद्यार्थी रहे। वाशिंगटन यूनिवर्सिटी से रिटायर्ड प्रोफेसर एवं डीन है। लवि से सम्मान कार्य विभाग में भी सहायक आचार्य के रूप में सेवाएं दी।

प्रोफेसर बृज मोहन

1964 में समाज कार्य विभाग से पीएचडी की। स्कूल आफ सोशल वर्क लुसियाना स्टेट यूनिवर्सिटी में रिटायर्ड प्रोफेसर व डीन एमिरेट्स हैं। सोशल वर्क क्रानिकल सोशल डेवलपमेंट ड्रशू सहित दर्जनों जनरल के एडिटोरियल बोर्ड के मेंबर है।

प्रोफेसर संजय भट्ट

समाज कार्य विभाग से 1977 मे एमएसडब्ल्यू करने के बाद पीएचडी भी यहीं से की। दिल्ली